VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N 08 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1841)

Name of Candidate	BAJRANG PRASAD		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	578292
Center	MN	Date	8/9/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Explain the meaning of self-efficacy, along with its key determinants. Also, discuss the significance of high self-efficacy for a civil servant.

(150 words) 10

आत्म-प्रभावकारिता और इसके प्रमुख निर्धारकों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। साथ ही, एक सिविल सेवक के लिए उच्च आत्म-प्रभावकारिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

आत्मप्रभावकारिता से तात्पर्य स्वयं को सकारात्मक अभिप्रेरित करते हुए अपने दायित्वों के अधिकतम सार्थक एवं नैतिक निष्पादन से है।

आत्मप्रभावकारिता के निर्धारक

- परिवार एवं समाज – परिवार से सक्रियता, संवेदना, प्रतिबद्धता का मूल्य
- विधि का अनुपालन – • विधि का अनुपालन एवं सामाजिक अपेक्षा प्रभावशीलता बढ़ाता,
- विद्यालय, शिक्षक एवं मित्र – कार्यों में समयबद्धता, जवाबदेही, पारदर्शिता का विकास
- भारतीय संस्कृति – • प्रकृति, जीवमात्र के प्रति आस्था एवं दया भाव
- संवैधानिक नैतिकता के मूल्य – स्वतंत्रता, समता, बंधुता, न्याय की अवधारणा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सिविल सेवा में महत्व

→ निष्पक्षता में वृद्धि

→ सत्यनिष्ठा को बढ़ावा ⇒ भ्रष्टाचार अनुपालित

→ सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण

→ करुणा, परानुभूति एवं सहिष्णुता को बढ़ावा

→ कार्य संस्कृति बेहतर
⇓
अधिक उत्पादकता

→ संगठनात्मक स्तर पर अधिक उत्पादकता एवं जन जवाबदेहिता
⇓
मूल्यपरक शासन

→ लक्ष्य उन्मुख कार्यप्रणाली,
यह शासन को अधिक क्रियाशील बनाने में महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Ethics is knowing the difference between what you have the right to do and what is right to do. Discuss. **(150 words) 10**

आपको क्या करने का अधिकार है और क्या करना सही है, इसके मध्य का अंतर जानना ही नीतिशास्त्र है। चर्चा कीजिए।

नीतिशास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जो व्यक्ति के आचरण, आदर्श एवं व्यवहार को निर्देशित करता है एवं एकरूपता लाने का प्रयास करता है।

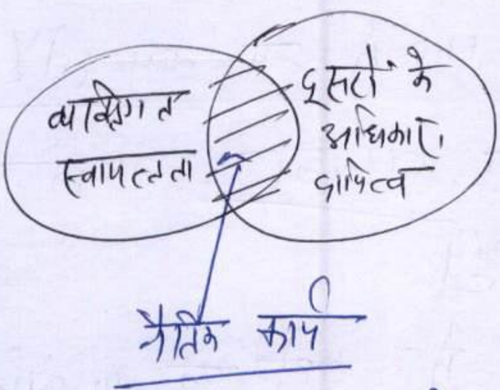

हमारी स्वतंत्रता वहीं सीमित हो जाती है जहाँ पर दूसरों की शुरु होती है।

भारतीय संविधान – भारतीय नागरिकों को संविधान के दायरे में रहकर अपने इष्टतम विकास को हासिल करने का अवसर प्रदान करता है। जैसे – अनुच्छेद-19(1)(a) में वाक् एवं अभिव्यक्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त निर्बंधन है।

आज यह सवाल बढ़ रहा है। क्योंकि अधिकांशत: अधिकारवादी हो रहे हैं —

केवल करने के अधिकार का दुरुपयोग –

- घृणा सोच
- भ्रष्टाचार
- साम्प्रदायिकता
- मॉब लिंचिंग
- पर्यावरण दोहन

अगर इसके साथ में हम 'क्या नहीं है?' जोड़ें तो हमारा व्यवहार अधिक जवाबदेह हो जाता है।

सिविक्स हमें सही एवं सार्वभौमिक स्वीकृत आचरण करना सिखाती है।

आज हमें अपने अधिकारों के साथ

- परोपकार
- अन्य के अधिकार
- मानवता
- कल्याण
- करुणा

आदि दृष्टिकोण को लेकर चलने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Dealing with an ethical dilemma not only requires following rules and regulations, but also requires adherence to moral prudence and altruism. Explain in the context of civil services in India, with examples.

(150 words) 10

किसी नैतिक दुविधा से निपटने के लिए न केवल सहायक नियमों और विनियमों की आवश्यकता होती है, बल्कि नैतिक विवेक और परोपकारिता के पालन की भी आवश्यकता होती है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

नैतिक दुविधा ऐसी स्थिति होती है जिसमें सामान्यतः एक पक्ष के अधिकारों से समझौतावादी स्थिति बनी रहती है। जैसे- पिंजरे में गिरे बच्चे को शेर से बचाने हेतु संभावित शेर को मारना (मानवीय जीवन vs पशु जीवन)

सिविल सेवाओं में नैतिक दुविधा-

(1) सड़कों के किनारे से अवैध झोपड़ियों को खाली करना-

विधि अनुपालन vs जीवन / आजीविका का अधिकार

• यहाँ हमें नियमों के साथ परोपकार, नैतिक विवेक दिखाते हुए उनके पुनर्वास की उचित व्यवस्था करनी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) दस्तावेज़ों से रहित जनजातियों को कोविड में आधान आपूर्ति-
(सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को फटकारा - इस वंचित)

→ यहाँ इस प्रकार का स्टॉक का सदुपयोग प्रशासन के सहृदय बोध से किया जाना चाहिए था। व वह भी हमारे ही नागरिक थे।

(3) जनजातीय इलाकों में विकास परियोजना -
(जनजातीय आजीविका, संस्कृति बनाम विकास)
इसमें हमें अधिक संवेदनशीलता की आवश्यकता। विधि के तहत पूर्णतम क्षति के साथ दोहन एवं लाभ का वितरण जनजातियों को भी हो।

नैतिकता का प्रशासन में समावेश जो नैतिक शासन में परिवर्तित कर देता है। जैसे - त्रेता में 'रामराज' की अवधारणा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The Code of Conduct for the civil services in India has merely remained a code; it has not helped promote ethical and moral values in governance. In this context, discuss the need for a National Commission on Integrity and Transparency in Governance. **(150 words) 10**

भारत में सिविल सेवाओं के लिए आचरण संहिता केवल एक संहिता बनकर रह गई है; इसने शासन (गवर्नेंस) में नीतिपरक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद नहीं की है। इस संदर्भ में, शासन में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

हालिया सिविल सेवकों पर घोटालों के मद्देनजर CBI, ED की कार्यवाही व बढ़ती सिविल सेवा में सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता पर पुनर्विचार की मांग करती है।

शासन में सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता पर राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता –

① शिकायतों का प्रभावी निवारण –
अभी केन्द्रीय सतर्कता आयोग केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों की शिकायतों की जाँच करता है
⇓
प्रभावी निवारण नहीं

② स्वायत्त संगठन एवं सांविधिक अधिकार दे –
• जिससे अधिक एवं प्रभावी तरीके से जाँच व दण्ड को क्रियान्वित किया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

iii) सम्पत्ति जब्ती एवं कोड बैंक की उचित प्रक्रिया

iv) वर्तमान में बदलती शासन पद्धति – ई-शासन की अवधारणा

v) पूरे भारत में लोकसेवकों के कार्यप्रणाली पर नजर

vi) अनु-311 व 312 में अपवादों को जोड़ा जाए

एक समर्पित आयोग नौकरशाहों के नैतिक आचरण के अनुपालन को सुनिश्चित कराने में मददगार होगा।

द्वितीय ARC की अनुशंसाओं (शासन में नैतिकता का अनुपालन हो।

होता कमेटी ने प्रभावी सुझाव दिए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Digital ethics principles are necessary to prevent erosion of public values and deal with the ethical implications of digitizing governance systems. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक मूल्यों के क्षरण को रोकने और शासन प्रणालियों के डिजिटलीकरण के नैतिक निहितार्थों से निपटने के लिए डिजिटल एथिक्स सिद्धांत आवश्यक हैं। चर्चा कीजिए।

वर्तमान में डिजिटलीकरण की वृद्धि ने शासन को अधिक सुलभ, समावेशी पारदर्शी, जवाबदेह बनाया है।

डिजिटल एथिक्स की आवश्यकता -

① डिजिटल मुद्दों की पहचान एवं उनका नैतिक उपयोग -

आज साइबर क्राइम, बैंक धोखाधड़ी, सूचनाओं का दुरुपयोग, निजता का उल्लंघन प्रमुख चुनौतियां हैं।

इनसे निपटने हेतु प्रभावी रणनीति की जरूरत

2. जनता तक सुलभता को बढ़ाना -

→ 'डिजिटल डिवाइड' ने सेवा वितरण में भेदभाव को बढ़ावा दिया है।

- कोविड टीका में मोबाइल पुस्तक पर निर्भर
- आधार की अनुपस्थिति के कारण 3 करोड़ (राशन

से वंचित,

3. वृद्ध / महिला संवेदनशील प्लेटफार्म

4). पुलिस प्रणाली में उपयोग- अपराधियों के पहचान के लिए ड्रोन का बेहतर उपयोग

5). निजता के अधिकार का हनन- आज वायरल वीडियो / सामग्री को प्रभावित कर रहे हैं।

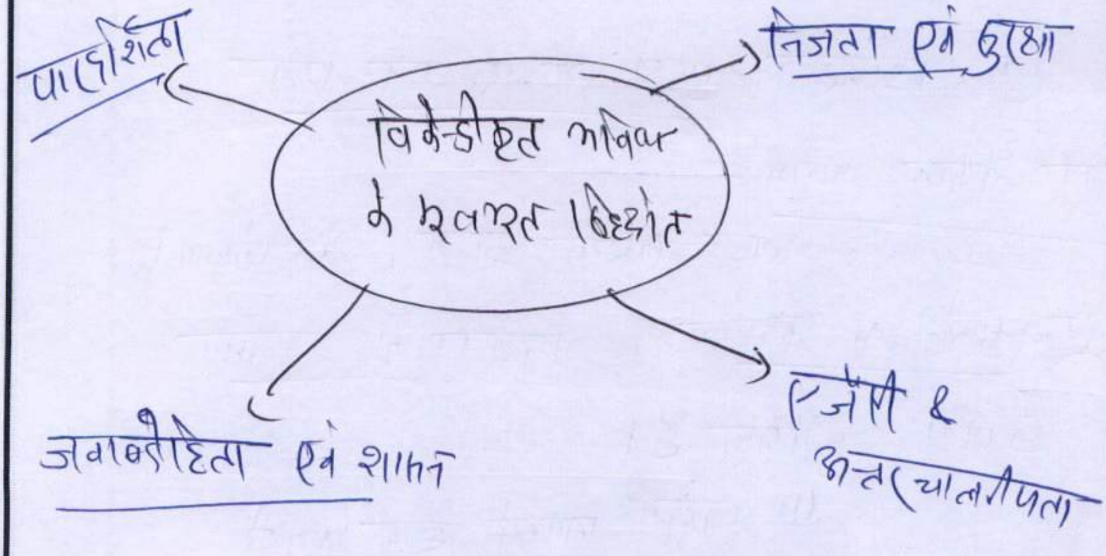

Digital मीडिया एथिक्स कोड, नियम 2021 को प्रभावी रूप से लागू करना चाहिए। डेटा सुरक्षा पर प्रभावी कानून समय की मांग है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Despite differences in terms of organizational values guiding the public and private sectors, there remain certain values that are equally important to both. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को निर्देशित करने वाले संगठनात्मक मूल्यों के संदर्भ में मतभेदों के बावजूद, कुछ मूल्य ऐसे हैं, जो दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिए।

मूल्य विचारों के वे तरह होते हैं जो सही या गलत कार्यों के प्रति वरीयता दिखाते हैं।

उदाहरण - दो इच्छों में से सड़क पर गिरे वृद्ध को देखकर
→ एक विद्यालय चला गया
→ दूसरा वृद्ध को उपचार किए गया।
↓
(परोपकार का मूल्य)

निर्देशित करने वाले मूल्य

सार्वजनिक संगठन	निजी संगठन
→ कल्याण का भाव	→ लाभ प्रेरित दृष्टिकोण
→ अधिकाधिक आर्थिक विकास	→ हितधारकों के शेयर मूल्य बढ़ाना,
→ सामाजिक समानता लोकतंत्र	→ व्यापार विस्तार पर केंद्रित
→ कमजोर वर्गों का ध्यान	→ बाजारवाद की मांग-पूर्ति पर केंद्रित।

परन्तु अंतरों के बावजूद कुछ मूल्य ऐसे हैं जो समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समान रूप से महत्वपूर्ण प्रश्न –

- अधिकाधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करना (गुणवत्ता के साथ) – • संस्थानों की वैधता बढ़ती है।
  - पेशेवर दक्षता में बढ़ोत्तरी
  - जनता का विश्वास बढ़ता है
- पारदर्शिता, जवाबदेही एवं उत्तरदायित्व –
  - घोटालों पर रोक जैसे - 2G स्पेक्ट्रम, बैंक फ्रॉड
  - सार्वजनिक पर जनता के धन का दुरुपयोग
- महामारी, आपदा के समय कल्याण का भाव –
  - कोविड में निजी संस्थानों द्वारा सरकार के प्रयासों को बढ़ावा देना जैसे - टीकाकरण, दान, अस्पताल आदि प्रबंध
- राष्ट्रीय समग्र संवृद्धि की धारणा –
  - CSR फंड से सहायता → टाटा ट्रस्ट आदि
  - जन जरूरतों के मुताबिक उत्पाद जैसे - 'किसान ड्रोन'

इस प्रकार सार्वभौमिक मूल्य समग्र कल्याण को प्रेरित करते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Bring out the difference between accountability and responsibility. Also, discuss the significance of accountability in ensuring ethical governance in the context of India. **(150 words) 10**

जवाबदेही और उत्तरदायित्व के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही, भारत के संदर्भ में नैतिक शासन (एथिकल गवर्नेंस) को सुनिश्चित करने में जवाबदेही के महत्व की विवेचना कीजिए।

जवाबदेही से तात्पर्य किसी संगठन, व्यक्ति द्वारा अपने लिए गए निर्णयों का स्वामित्व लेने की अपेक्षा की जाती है।
जैसे- 'शास्त्री' जी द्वारा रेल दुर्घटना पर पद से इस्तीफा देना (नैतिक आधार पर इस्तीफा)

उत्तरदायित्व किसी कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पादित करने की एक नैतिक जिम्मेदारी होती है। जैसे- बाढ़ ग्रस्त में 'अन्यपदाह' (IAS) द्वारा स्वयं क्षेत्रों का निरीक्षण
↓
उनसे जुड़ने की कोशिश.

जहाँ उत्तरदायित्व नैतिक रूप से स्वामित्व की माँग करता है। वहीं जवाबदेही विधिक होती है।
जवाबदेही संगठन की पारदर्शिता को बढ़ाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक शासन में जवाबदेही का महत्व -

○ कार्य निष्पादन का लक्ष्य होना
↓
विधिक उत्तरदायित्व होने से निष्पादनता बेहतर

○ आचरण में नैतिकता का समावेश,

○ जनता के प्रति जुड़ाव,

○ कार्यप्रगति होना ⇒ उत्पादकता एवं कार्यकुशलता में बढ़ोत्तरी

○ जन कल्याण नीतियों का क्रियान्वयन
↓
यथास्थिति को हटाना

आलोचना -
→ जन जवाबदेही विधिक नहीं है
→ अत्यधिक कठोरता के कारण अधिकारी स्वायत्तता के अभाव में परिवर्तनकारी कदम उठाने से बचते हैं।
→ ऑडिट, RTI, CAG आदि कार्यकुशलता को प्रभावित करता है।

शासन में नैतिकता का समावेश एवं बढ़ावा इसकी स्वीकार्यता को बढ़ाएगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Though laws and rules can be considered as the principal guide on morality for public administrators, they are not sufficient in themselves. Substantiate with examples. **(150 words) 10**

हालांकि कानूनों और नियमों को लोक प्रशासकों के लिए नैतिक आदर्शों हेतु प्रमुख मार्गदर्शक माना जा सकता है, किंतु ये अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

एक लोक प्रशासक से विधियों के अनुरूप अपने दायित्वों के निर्वहन एवं योजनाओं के विधिपूर्ण क्रियान्वयन की अपेक्षा की जाती है।

कुछ प्रमुख कानून एवं नियम -

- संविधानवाद का आदर्श - स्वतंत्रता, समता
- विभिन्न विधियाँ → नागरिक अधिकार संरक्षण नियम,
  - → भ्रष्टाचार निवारण एक्ट, 1988
  - → FEMA, FCRA आदि
- → नियम - सिविल सेवा आचरण नियमावली।

मार्गदर्शक के रूप में:

- → एक कार्य मानक प्रदान करना,
- → 'क्या करें', 'क्या न करें' का निर्धारण,
- → दुविधा से बचने में काफी हद तक सहायक।
- → संसाधनों का वितरण एवं न्याय-निर्णयन में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किंतु ये पर्याप्त नहीं है—

नैतिक दुविधा में—

- जनजातीय सांस्कृतिक विनाश vs परियोजना क्रियान्वयन

हित संघर्ष—

- चयन के मामले में संबंधी का होना

योजना क्रियान्वयन—

- आधारविहीन लोगों को PDS आधारित देना,
- दस्तावेज रहितों को पेंशन, आयुष्मान योजना लाभार्थ अभाव

आपदा के समय—

- फंड के तात्कालिक एवं विवेकाधीन अधिकाधिक प्रयोग का अधिकार नहीं,

निर्णय निर्माण—

- स्थिति अनुरूप स्वायत्त निर्णय लेने की छूट नहीं,

विधियों की अस्पष्ट प्रकृति— जैसे IPC-124A, UAPA आदि द्वारा नागरिक अधिकारों का सीमांकन

अतः लोकसेवकों हेतु सहिष्णुता, अंतःकरण, E.I. का निर्णय में समावेश अनिवार्य हो जाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Transparency is vital to cultivate public trust in government and to prevent, detect and deter corruption effectively. Comment.

(150 words) 10

पारदर्शिता, सरकार में जनता के विश्वास को विकसित करने और भ्रष्टाचार को प्रभावी ढंग से रोकने, इसका पता लगाने एवं निवारण करने के लिए महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

द्वितीय प्रशासनिक आयोग ने अपनी रिपोर्ट 'शासन में नैतिकता' के तहत पारदर्शिता को प्रशासन का मूल आधार स्वीकार माना है। भारत में RTI Act, न्यायिक सक्रियता, डिजिटलीकरण ने पारदर्शिता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पारदर्शिता का महत्व

- निर्णय निर्माण में खुलापन => अधिक स्वीकृत एवं जनानुकूल होने की संभावना।
- सार्वजनिक धन का दुरुपयोग
  करदाताओं का भरोसा बढ़ता है। (खर्च)
- जनता की लोकतंत्र में विश्वास बढ़ने के साथ सरकार में विश्वास बढ़ता है।
- अधिकारियों के विवेकाधीन एवं मनमाने

निर्णयों पर रोक,
→ शासन प्रक्रिया का अधिक पक्ष, क्रियाशील एवं विकासोन्मुख होना

अनामिकता → सिविल सेवा का सामर्थ्य है। (Pro मॉडी)
→ पारदर्शिता से प्रभावित होती है।

पारदर्शिता से परेशानी

→ राष्ट्रीय सुरक्षा
→ रक्षा मामलों में खुलासा करने रक्षा शक्ति को कमजोर करता है

→ न्यायालय में अधिक पारदर्शिता न्यायिक प्रणाली को प्रभावित करता है।

→ अपराधियों आदि का गोपनीय ब्योरा देना
⇓
राष्ट्रीय आन्तरिक एवं बाह्य सुरक्षा प्रभावित

पारदर्शिता एवं गोपनीयता के बीच समन्वय जरूरी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** 'Just-in-time' release of funds heralds a significant reform for the Indian government's payment architecture. Discuss. **(150 words) 10**

'सही समय पर' फंड जारी करना भारत सरकार की भुगतान संरचना के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार की शुरुआत है। चर्चा कीजिए।

नीति निर्माण, क्रियान्वयन के साथ फंड जारी होना उसकी प्रभावशीलता के लिए अतिमहत्वपूर्ण है।

सही समय फंड जारी करने के लाभ

- योजना क्रियान्वयन में तीव्रता
- भ्रष्टाचार में कमी
- निश्चित समयावधि में योजना पूरी होना,
- इसका 'डोमिनो प्रभाव' पड़ता है क्योंकि गतिविधियों में तीव्रता आती है।

- परियोजनाओं के लंबित होने से लागत में बढ़ोतरी कम होती है
- जन परियोजनाओं से सामाजिक कल्याण सुनिश्चित होता है और - सड़क निर्माण, मनरेगा हेतु फंड जारी

→ बढ़ते विकास मांग का प्रमुख वाहक है।
→ यह मांग बढ़ाकर अर्थव्यवस्था की वृद्धि में सहायक होता है।

वर्तमान में आय –

- प्रगति पोर्टल से निगरानी ; pm गतिशक्ति
- एकल खिड़की व्यवस्था
  ⇓
  जल्दी कार्यों का पारदर्शन
- PPP द्वारा तीव्र प्रक्रिया
- वित्तीय समावेशन हेतु 'डिजिटलीकरण' का उपयोग

फंड का सकुशल उपयोग → आडिट प्रणाली → निगरानी तेज — इसके उदाहरण

उपयोग बढ़ाकर विकास को प्रोत्साहित करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

(a) "The happiness of your life depends upon the quality of your thoughts."- Marcus Aurelius **(150 words) 10**

"आपके जीवन की खुशी आपके विचारों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।" - मार्कस ऑरेलियस

व्यक्ति की आत्मिक संतुष्टि एवं आंतरिक शांति उसके बाह्य क्रियाकलापों से प्रत्यक्षतः सम्बन्धित होती है।

यदि हम वचन, मन, कर्म से नैतिक होते हैं एवं उसमें एकरूपता का सामंजस्य होता है तो जीवन में खुशियाँ स्वाभाविकतः आती हैं।

व्यक्तियों के कार्य-~~आचार~~ व्यवहार को उनके विचारों का प्रतिबिम्ब माना जाता है।

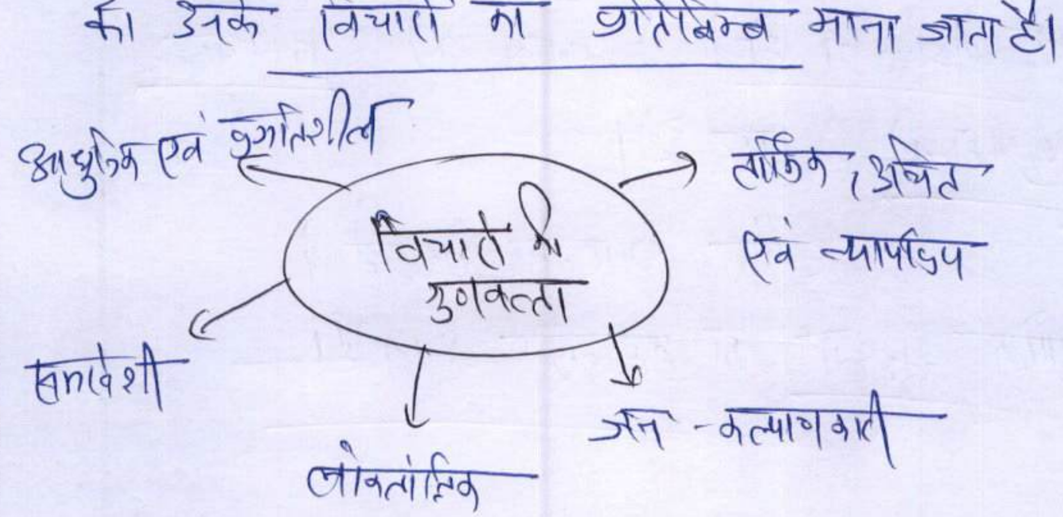

उपर्युक्त विचार होने से व्यक्ति का जीवन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महत्ता → प्रसन्नता ; समाज में श्रेष्ठता → सम्मान ; सन्तुष्टि → सहयोग

की भावना से भरा होता है।

स्वामी विवेकानंद अपने विचारों की उत्कृष्टता एवं पवित्रता के कारण संसार में 'मानव सेवा → ईश्वर सेवा' ; 'दरिद्र नारायण' देखते थे।

भौतिक वस्तुएं जीवन में खुशी नहीं ला सकती हैं। वैचारिक स्वच्छता ही खुशियों का स्रोत है। इसी कारण भूटान आर्थिक रूप से मजबूत न होने के कारण भी 'सर्वाधिक खुशहाल' राष्ट्र है।

हमारे भारतीय संस्कृति में वैचारिक शुद्धता का महत्वपूर्ण स्थान है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "The forces in a capitalist society, if left unchecked, tend to make the rich richer and the poor poorer." — Jawaharlal Nehru **(150 words) 10**

"एक पूंजीवादी समाज की शक्तियों को अगर अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो वे अमीर को और अमीर तथा गरीब को और गरीब बना देंगी।" - जवाहरलाल नेहरू

पूंजीवाद मुख्यत: आर्थिक मामलों/प्रश्नों को निजी हाथों में स्वामित्व के रूप से सौंपने की प्रक्रिया है।

इसमें संसाधनों पर सरकार का नियंत्रण नहीं होता है।

वर्तमान में दुनिया के 1% लोगों के पास 50% से अधिक सम्पत्ति है।

अमेरिका के टॉप 5 उद्यमी आम राष्ट्र की अर्थव्यवस्था हैं।

पूंजीवाद का स्वरूप

→ बाजारवादी स्वरूप — मांग-पूर्ति पर आधारित
→ निजी नियंत्रण — आम व्यक्ति के नियंत्रण की व्यवस्था नहीं
→ लाभ प्रेरित उत्पादन — गरीबों का ध्यान नहीं
→ स्वामित्व के कारण इनका ~~समाज~~ समाज के खाते पीते वर्गों से सम्बन्ध.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गरीबों की आर्थिक स्थिति खराब होने से वह इस व्यवस्था में —

- निम्न वेतनभोगी मजदूर
- निम्न सामाजिक स्थिति
- लाभ में भागीदारी नहीं
- निर्णायकी, लाभ वितरण की व्यवस्था नहीं

असंतोष के कारण आय, संपत्ति का निरन्तर असमान वितरण जारी रहता है।

नियंत्रित पूंजीवाद जैसा की LPG के बाद भारत में है —

मिश्रित अर्थ-व्यवस्था
→ आर्थिक विकास एवं वृद्धि
→ निजी हित vs सार्वजनिक हित
→ सरकारी स्वामित्व vs PPP
→ कल्याण vs लाभ
→ प्रगति बनाम वृद्धि में बेहतर संतुलन द्वारा सा० आ० एवं राजनीतिक न्याय (अनु-38) को साधने का प्रयास कर रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "Honesty is the first chapter in the book of wisdom". – Thomas Jefferson (150 words) 10

"ज्ञान की पुस्तक का पहला अध्याय ईमानदारी है।" - थॉमस जेफरसन

ईमानदारी व्यक्ति या संगठन को अपने अपने निर्णय का औचित्य बताने एवं इसे खुलापन रखने की प्रक्रिया है।

इसमें निजी हितों की घोषणा सार्वजनिक रूप से की जाती है।

ईमानदारी एक ऐसा सद्गुण है जो हमें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सचेत एवं प्रतिबद्ध बनाता है।

ईमानदारी के प्रभाव

- यह एक सक्रिय/क्रियात्मक अवधारणा है।
- इसमें जवाबदेहिता, पारदर्शिता निहित होती है
  जैसे - अशोक खेमका (IAS) की ईमानदारी
- यह नैतिक एवं सार्वभौमिक मूल्य है।
- मानवमात्र के प्रति करुणा, उदारता का भाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यक्ति का ईमानदार होना सामाजिक समानता, निष्पक्षता की पहली सीढ़ी है।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है—
'साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप'

सच्चाई व्यक्ति को नेतृत्व, न्याय, नैतिकता, साहस जैसे सद्गुणों से युक्त करती है।

वर्तमान में प्रासंगिकता -

- भ्रष्टाचार उन्मूलन
- जन केन्द्रित शासन
- योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन

→ लोकसेवकों को जन उन्मुख बनाना
→ रिसाव को कम करना

RTI अधिनियम, सामाजिक ऑडिट, प्रशिक्षण, जवाबदेहिता से ईमानदारी को पुष्ट किया जा सकता है।

विद्यालय, परिवार, समाज इसके समाजीकरण के महत्वपूर्ण आधार हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. You are posted as a District Magistrate in a district, which is witnessing a high caseload of COVID-19 pandemic patients. The physical infrastructure and human resources in the district are stretched much beyond their capacity. At the peak of the pandemic, certain reports emerge that the District Medical Officer has been misusing his position to abuse female employees in his department and coercing them to have sexual relations with him. However, the concerned officer not only has an impeccable academic record but also a profound professional track record. You also need his presence and guidance to deal with the pandemic situation in the district. But, there is pressure from the media and civil society organisations to immediately report the matter to the State authorities for action against the concerned officer.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders and issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Discuss their pros and cons.

(c) What will be your final course of action? Justify with reasons. **(20)**

आप एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात हैं, जहां कोविड-19 महामारी के रोगियों की संख्या काफी अधिक है। जिले में भौतिक आधारभूत संरचना और मानव संसाधन का उनकी क्षमता से बहुत अधिक दोहन हो रहा है। महामारी के चरम पर, कुछ रिपोर्ट्स सामने आती हैं कि जिला चिकित्सा अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर अपने विभाग में महिला कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहा है एवं उन्हें उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा है। हालांकि, संबंधित अधिकारी का न केवल त्रुटिहीन अकादमिक रिकॉर्ड है, बल्कि उसका पेशेवर ट्रैक रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा है। जिले में महामारी की स्थिति से निपटने के लिए आपको उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। लेकिन, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों की ओर से संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य के अधिकारियों को तुरंत मामले की सूचना देने का दबाव है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? उनके गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए।

(c) आपकी अंतिम कार्रवाई क्या होगी? कारण सहित औचित्य सिद्ध कीजिए।

प्रस्तुत केस कार्यस्थल पर महिलाओं के कथित उ. यौन उत्पीड़न से सम्बंधित है।

A.

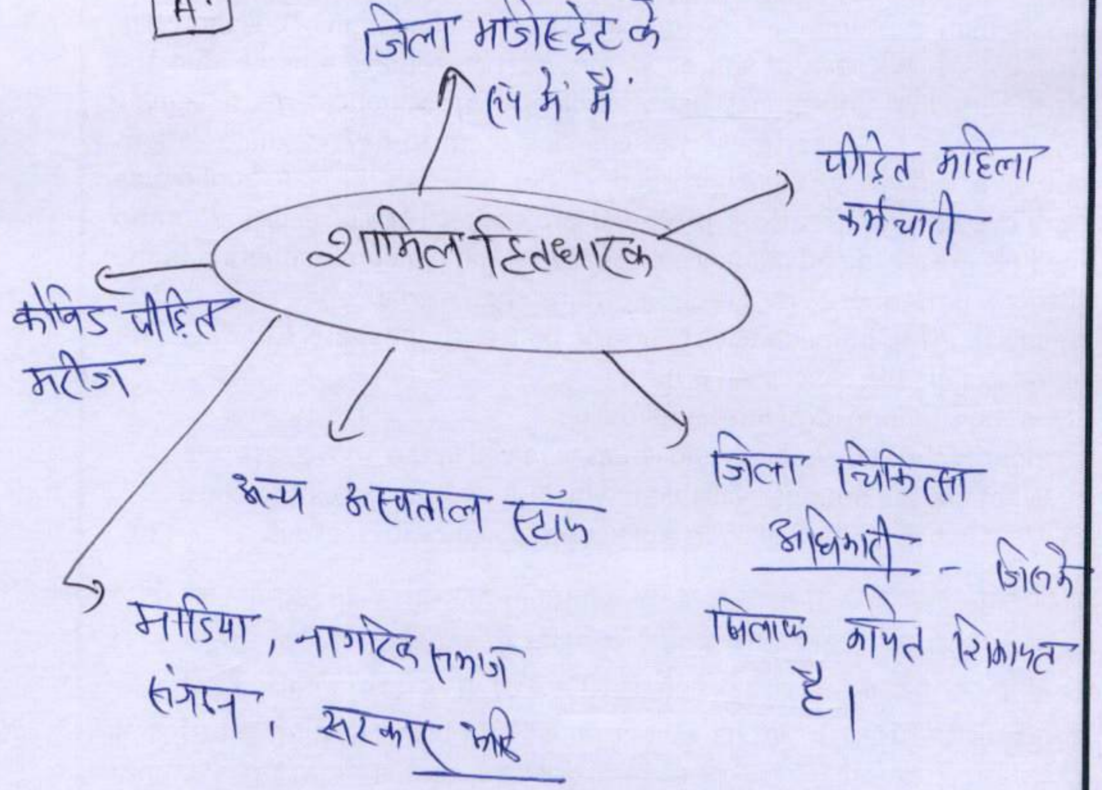

प्रकरण में शामिल मुद्दे -

1- महिला कर्मचारियों का संरक्षण एवं दुर्व्यवहार मुक्त कार्यवातावरण (अनु-42) बनाम जिला चिकित्सा अधिकारी के अनुभव का उपयोग,

2. कार्यकुशलता बनाम अधिकारों संरक्षण

3. महामारी से निपटना बनाम कार्य संस्कृति को नुकसान पहुंचाना

4. मीडिया आदि के प्रति व्यक्तिगत जवाबदेही

5. पेशेवर सत्यनिष्ठा - एक DM के रूप में मेरा कार्य जिले में शासन एवं अधिकारों के नैतिक संरक्षण प्रदान करने से है

उपलब्ध विकल्प

1). कथित रिपोर्ट पर डॉक्टर को सेवामुक्त करना

गुण	दोष
→ त्वरित सक्रिय कार्यवाही → महिला संवेदनशील निर्णय निर्माण ↓ आगे ऐसे लोग अनैतिक माँग से कतराएंगे → मीडिया एवं जनता में अच्छा संदेश	→ बगैर सुनवाई का मौका दिया या बगैर जाँच के कार्यवाही ⇒ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन → महामारी के दौरान अस्पताल प्रशासन प्रभावित होगा → मरीजों में अधिक खलबली मचेगी.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. यथास्थिति रहने देना

दोष	गुण –
→ शोषण जारी → महिला कर्मचारी संभावित यौन उत्पीड़न का शिकार हो सकती ⇓ मनोबल में गिरावट ⇓ दक्षता में कमी	→ ~~कार्यस्थल निवारण अधि., 2013 के प्रावधानों का उल्लंघन है~~ → कामकाज जारी रहेगा → मरीजों के प्रति अस्पताल प्रशासन की सेवा में बाधा नहीं

3. जाँच रिपोर्ट इकट्ठा करना (अस्पताल प्रशासन द्वारा)

गुण	दोष
→ बेहतर विकल्प → सुनवाई का मौका → आरोपी पक्ष से अवगत	→ क्योंकि वह DMO है रिपोर्ट के प्रभावित होने की आशंका (क्योंकि अस्पताल प्रशासन पर उसका संभावित दबाव) → दबाव की गुंजाइश

C. अंतिम कार्यवाही एवं औचित्य

कार्यवाही	औचित्य
→ अस्पताल का स्वतः प्रभार	→ महिला अधिकारों की रक्षा,
→ पीड़ित महिला कर्मचारियों से बात करना	→ अपराधी कोई भी हो उसकी हैसियत /पद से प्रभाव नहीं
→ अपनी निगरानी में जिला स्तरीय कमेटी निर्माण	→ पेशेवर सत्यनिष्ठा एवं विधि का शासन
→ सुरक्षित परिवेश में सबूतों एवं बयानों को एकत्रित करना	

⇓

सही पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही होगी

अभी कमके रूप में अस्पताल में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ को मजबूत करके भविष्य घटनाओं को रोकना जरूरी होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are posted as the Superintendent of Police (SP) of a district, which has witnessed several lynching related crimes in the recent past. One day, a police station in the district got an SOS that in a particular village under their jurisdiction, two women have been accused of witchcraft and are now being paraded naked by the villagers. Given the past record of crimes in the village, it was likely that they would be killed by the villagers. When a police team from the station reached the spot and tried to save the two women from the mob, a scuffle broke out. In the ensuing scuffle, the police were brutally attacked and they had to retaliate by lathicharging in order to save themselves. The incident left three villagers dead. There is anger amongst the villagers, who are also a critical vote bank of the ruling party in the state. As the SP, you have been instructed to institute a quick enquiry and take the strictest action against the police team who lathicharged. You are aware that with elections around the corner, you need to diffuse the situation quickly.

Given the situation, answer the following :

(a) Identify the stakeholders and the issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Which of these will you choose and why?

(c) As an objective and scientfic-tempered administrator, what steps will you suggest in the long-run to deal with mob lynching? **(20)**

आप उस जिले के एक पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं, जहां हाल के दिनों में लिंचिंग से संबंधित कई अपराध हुए हैं। एक दिन, जिले के एक पुलिस स्टेशन को एक SOS मिला कि उनके क्षेत्राधिकार के एक विशेष गांव में दो महिलाओं पर जादू टोना करने का आरोप लगाया गया है और ग्रामीणों द्वारा उन्हें नग्न अवस्था में घुमाया जा रहा है। गांव में अपराधों के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए, यह संभावना थी कि उन्हें ग्रामीणों द्वारा मार दिया जाएगा। थाने से पुलिस की टीम जब मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को भीड़ से बचाने का प्रयास किया तो हाथापाई हो गई। आगामी हाथापाई में, पुलिस पर बेरहमी से हमला किया गया और उन्हें स्वयं को बचाने के लिए लाठीचार्ज करके जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस घटना में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर गुस्सा है, जो राज्य में सत्ताधारी पार्टी का एक महत्वपूर्ण वोट बैंक भी हैं। एक SP के रूप में, आपको त्वरित जांच करने और लाठीचार्ज करने वाली पुलिस टीम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। आप जानते हैं कि चुनाव नजदीक हैं, आपको स्थिति को जल्द से जल्द शांत करने की आवश्यकता है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

(c) एक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक स्वभाव वाले प्रशासक के रूप में, मॉब लिंचिंग से निपटने के लिए दीर्घावधि में आप क्या कदम सुझाएंगे?

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त प्रकरण और हिंसा से सम्बन्धित है जिसमें अंधविश्वासों के कारण जनता में नकारात्मक पूर्वाग्रह की व्याप्ति है।

A. हितधारक एवं मुद्दे

i). पुलिस अधीक्षक के रूप में

- जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना
- शांति, सुरक्षा एवं पीड़ितों को न्याय व अपराधियों को दण्ड दिलाने की पेशेवर जिम्मेदारी
- जनता में कानून का अनुपालन बनाए रखना,

ii) पीड़ित महिलाएँ -

- उनकी गरिमा का उल्लंघन (अनु० 21 प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता मूल अधिकार)
- सार्वजनिक रूप से प्रताड़ना - सामाजिक भावना के अभाव को दिखाता है।

iii). ग्रामीण वासी -

- कथित उत्पीड़क
- अंधविश्वास की व्यापकता
- पुलिसकर्मियों की हत्या के कथित अपराधी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उद्देश्य — शांति व्यवस्था गाँव में बनाना.
→ पुलिस कर्मियों को न्याय
→ विधि का अनुपालन आदि

B अपलब्ध विकल्प

i). निर्देश के अनुरूप पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्यवाही करना (लाठी चार्ज के विरुद्ध);

ii). जाँच करना एवं गाँवो वालों पर मुकदमा दायर करना (क्योंकि प्रत्यक्षत: अपराधी वहीं हैं जिनपर पुलिस कर्मियों की हत्या एवं महिला उत्पीड़न का आरोप है)

iii). राजनीतिक दबाव के परिप्रेक्ष्य में स्वयं को ट्रांसफर कराने की अनुशंसा,

iv). केस पर से स्वयं को बाहर निकालने एवं अन्य को केस सौंपने की अनुशंसा

v). निष्पक्षपूर्वक ईमानदारी से जाँच करना एवं निष्पक्षता, भेदभावरहित तरीके से समस्त अपराधियों को दण्ड दिलाने की कोशिश करना,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हम विकल्प (v) को चुनेंगे क्योंकि

i). पेशेवर दायित्व निर्वहन हमारा कर्तव्य है,
• हमारी जवाबदेहिता विधि के प्रति है न कि राजनीतिक प्राधिकारी के प्रति

ii). साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर चार्जशीट लगाना,

iii). अज्ञात के विरुद्ध FIR दर्ज करना एवं आगे कार्यवाही जारी रखना,

यह कदम हमारे लिए अधिक विधिक होगा।

(c) मॉब लिंचिंग से बचने के दीर्घकालिक उपाय

(i) विधि निर्माण - इसके व्यापक रूप से इस प्रकार को शामिल किया जाये,
ii) त्वरित कार्यवाही हेतु SOP बनाई जाए.
iii). गाँवों में जागरूकता एवं संवेदनशीलता का प्रसार अधिकारियों की ट्रेनिंग हो,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देना,

v) गाँवों में चौराहे, मंदिरों आदि जगहों पर CCTV,

↓

अपराधियों को पकड़ना,

vi) 'मॉब लिंचिंग' वालों के प्रति 'शून्य सहिष्णुता' की नीति।

↓ सम्पत्ति जब्ती, कुर्की आदि कार्यवाही

↓

अपराध के प्रति भय बढ़ाना

जैसे- U.P. सरकार द्वारा माफियाओं के विरुद्ध।

एक लोकतांत्रिक देश में मॉब लिंचिंग अतिघृणित हिंसात्मक रूप है जिससे रोकने की सख्त जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are an Airworthiness Officer posted with the Directorate General of Civil Aviation, tasked to conduct the safety audit of a major airline of the country. During the recent audit, you find that some of the airplanes belonging to the airline do not fully meet a few of the International Civil Aviation Organization (ICAO) safety standards. The issues are minor, mainly pertaining to some incomplete aircraft maintenance logs and safety rules related to training of the crew. The airline belongs to a very influential business conglomerate with close ties to all major national political parties and has a long history of ethical business practises. The point person appointed by the airline to communicate with you has assured that everything will be in order in a couple of months. Your senior in the department has also indicated that it is best not to mention such minor issues in the report, particularly given the image of the business group involved and the trust it enjoys. He also reiterates the assurance given by the airline to address these issues at the earliest in a time-bound manner. However, you are aware that airline safety norms are paramount and every other consideration is secondary to the safety of the crew and passengers. As a public servant appointed to uphold public trust, answer the following:

(a) Bring out the dilemmas that you face, elaborating on the competing values in the given situation.

(b) What are the options available to you? Discuss the merits and demerits of each. Which of these will you choose and why? **(20)**

आप नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में तैनात एक वायुयान अधिकारी हैं, जिसे देश की एक प्रमुख एयरलाइन की सुरक्षा ऑडिट करने का काम सौंपा गया है। हाल के ऑडिट के दौरान, आप पाते हैं कि उस एयरलाइन से संबंधित कुछ हवाई जहाज अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के कुछ सुरक्षा मानकों को पूरी तरह से पूर्ण नहीं करते हैं। ये मुद्दे बहुत मामूली हैं, जो मुख्य रूप से कुछ अधूरे विमान रखरखाव लॉग और चालक दल के प्रशिक्षण से संबंधित सुरक्षा नियमों से संबंधित हैं। एयरलाइन का सभी प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से घनिष्ठ संबंध है और साथ ही यह एक बहुत ही प्रभावशाली व्यापारिक समूह से संबंधित है एवं इसका नैतिक व्यापार व्यवसाय का एक लंबा इतिहास है। आपके साथ बात-चीत करने के लिए एयरलाइन द्वारा नियुक्त व्यक्ति ने आश्वासन दिया है कि कुछ महीनों में सब व्यवस्थित हो जाएगा। विशेष रूप से इसमें शामिल व्यावसायिक समूह की छवि और इसे प्राप्त विश्वास को देखते हुए विभाग में आपके वरिष्ठ ने भी संकेत दिया है कि रिपोर्ट में ऐसे छोटे-छोटे मुद्दों का उल्लेख न करना ही बेहतर है। उन्होंने एयरलाइन द्वारा इन मुद्दों को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से संबोधित करने के लिए दिए गए आश्वासन को भी दोहराया। हालांकि, आप जानते हैं कि एयरलाइन सुरक्षा मानदंड सर्वोपरि हैं और चालक दल एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई भी अन्य विचार गौण हैं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए नियुक्त एक लोक सेवक के रूप में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) दी गई स्थिति में प्रतिस्पर्धी मूल्यों का सविस्तार वर्णन करते हुए, आपके सामने आने वाली दुविधाओं पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत प्रकरण वायुयान संचालन में मानकों की शर्तों में कमी से संबंधित है।

A. प्रतिस्पर्धी मूल्य एवं दुविधा.

1). वायुयान उद्योग बनाम यात्री सुरक्षा -

भारत में यह तेज बढ़ता क्षेत्र है जिसे सरकार द्वारा निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है (UDAN योजना)। अनेक एयरलाइन्स घाटे के कारण डूब रही हैं अतः कुछ मानकों की अनुपूर्ति में देरी स्वाभाविक है।

हाल में सरकार ने यात्री सुरक्षा मानकों में कमी के कारण 'स्पाइसजेट' पर कुछ समय के लिए उड़ान पर रोक लगाया।

⇓

यात्री सुरक्षा महत्वपूर्ण

II). पेशेवर सत्यनिष्ठा बनाम एयरलाइन्स की विश्वसनीयता

सुरक्षा मानदंडों का पालन होना हमारे नैतिक दायित्व है। संभावित दुर्घटना हमें अन्तःकरण के संकट में डाल

चूँकि इतना रिकॉर्ड अच्छा है अतः आश्वासन पर विश्वास किया जा सकता है।

सकती है।

iii). एथलीट का लाभ बनाम सेवा गुणवत्ता

iv). संभावित FDI & क्षेत्र के विकास पर प्रभाव - सही ऑडिट न होने पर होने वाली दुर्घटना का प्रभाव व्यापक होगा

उपलब्ध विकल्प

(1) एथलीट की बात मानना एवं अनुरूप व्यवहार

गुण	दोष
→ विस्तार जारी	→ जीवन की सुरक्षा से समझौता
→ एथलीट की विश्वसनीयता बनी रहेगी	→ पेशेवर सत्यनिष्ठा से समझौता
→ व्यापार लाभ की स्थिति	→ आगे नौकरी भी जा सकती है। (गलती पकड़े जाने पर)
→ राजनैतिक गठजोड़ बेहतर → इनाम मिल सकता है।	

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② रिपोर्ट में कुछ भी आरोपित बदलाव नहीं

यथावत प्रकटीकरण

गुण	दोष
→ अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन	→ संस्थान की विश्वसनीयता
→ शुद्ध एवं सही ऑडिट	→ राजनैतिक दबाव की आशंका
→ अन्तर्राष्ट्रीय मानक को महत्व	→ स्थानान्तरण हो सकता है।
	→ एयरलाइन्स कंपनी नुकसान

③ ऑडिट से स्वयं को बाहर करना

गुण	दोष
→ दुविधा स्थिति से बचाव	→ कार्य के लिए कोई जगह नहीं,
→ किसी से संघर्ष नहीं	→ आगे भी ऐसे होने की संभावना,
→ एयरलाइन्स के प्रति ~~दुर्भावना~~ अन्तःकरणीय दोष नहीं	→ स्थापना आने वाला सही ही करेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) - बेहतर विकल्प एवं कारण

→ ईमानदारी पूर्वक ऑर्डर करना,

→ संस्थान को बताना

⇓

सही करने की लिखित रिपोर्ट माँगना

⇓

क्योंकि ऑर्डर जमा करने की निश्चित तिथि होती है

अतः तब तक सुधार का मौका देना।

→ विश्वसनीय संस्थान को त्वरित निलंबित नहीं किया जा सकता,

→ सरकारी प्रयासों को बाधा होगी (जैसा होते कमियों को बड़ा बनाया जाये)

→ सुधार का मौका देना प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत,

⇓

परन्तु ऊपर बताये गये सामने वाली समस्याओं पर (जीरो टॉलरेंस)

↳ यदि बावजूद सुधार न हुआ तो सत्य रिपोर्ट को सरकार को देना।

• स्पष्टीकरण एवं कार्यवाही की जिम्मेदारी सरकार की होती है।

अतः अपने दायित्वों का सत्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. With the advent of 24x7 news and prevalence of an array of news sources across the board, the media is omnipresent in nature. In this competitive environment, many media professionals who are overcome by deadlines, bottom-line imperatives, and corporate interests are losing sight of the ethical implications of their work. Further, there have been several cases of irresponsible reporting where the reportage has interfered with court proceedings, compromised delicate security situations or led to the spread of fake or unverified news. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues prevalent in the profession of media.

(b) How does unethical reporting and sensationalization of news impact the society?

(c) What can be done to strengthen the role of ethics in media? **(20)**

24x7 समाचारों की शुरुआत और संपूर्ण बोर्ड पर समाचार स्रोतों की एक श्रृंखला के प्रसार से, मीडिया प्रकृति में सर्वव्यापी है। इस प्रतिस्पर्धी माहौल में, कई मीडिया पेशेवर जो समय-सीमा, आधारभूत अनिवार्यताओं और कॉर्पोरेट हितों को पीछे छोड़ चुके हैं, वे अपने काम के नैतिक निहितार्थों की दृष्टि खो रहे हैं। इसके अलावा, गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग के कई मामले भी सामने आए हैं जहां रिपोर्ट ने अदालती कार्यवाही में हस्तक्षेप किया है, संवेदनशील सुरक्षा स्थितियों से समझौता किया है या गलत अथवा असत्यापित समाचारों को फैलाया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) अनैतिक रिपोर्टिंग और समाचारों को सनसनीखेज बनाने से समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(c) मीडिया में नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए क्या किया जा सकता है?

लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में मीडिया का कार्य यही सूचना के माध्यम से सरकार व जनता के बीच जवाबदेहिता एवं समस्या निवारण को सुनिश्चित करना है। यह केवल सूचना का एक माध्यम है।

मीडिया पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दे

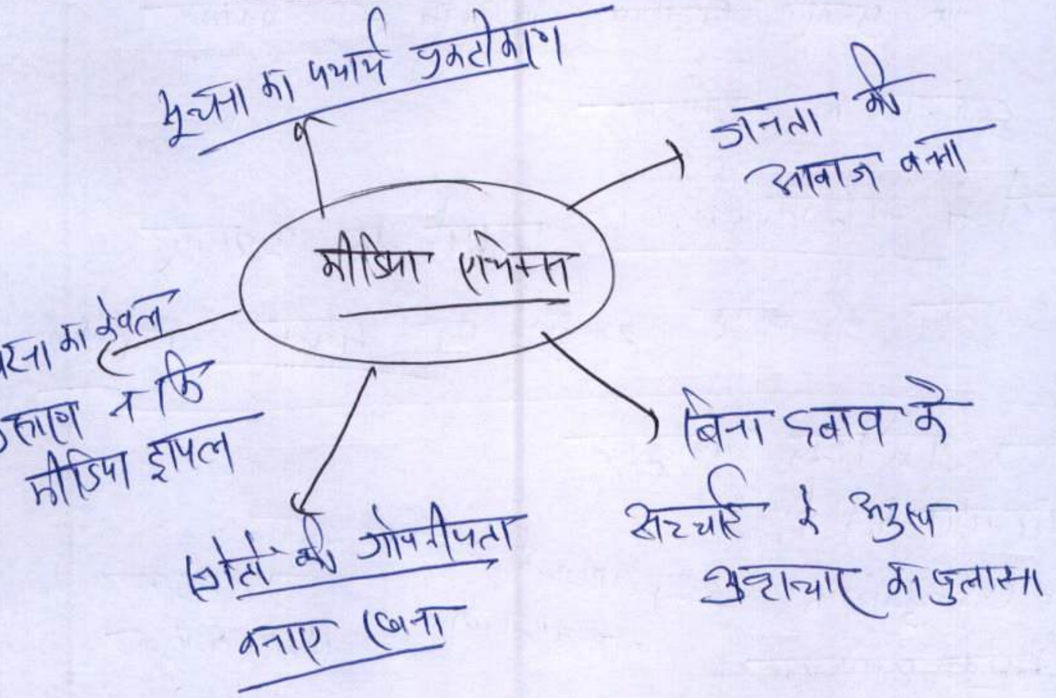

वर्तमान में नैतिक मुद्दे –

→ पेड न्यूज – धन के लालच में नैतिकता से समझौता → खतरनाक विज्ञापन, अंधविश्वास को बढ़ावा,

→ सामाजिक विभाजन – साम्प्रदायिक बहसों से समाज में ध्रुवीकरण होता है।

→ पक्षपाती मीडिया – यह राजनैतिक ताकतों के हितों के अनुरूप चलती है।

TRP मामला —

• प्रचार, विज्ञापन और लेने हेतु अनैतिक प्रणाली का उपयोग,

पत्रकारों में नैतिकता की कमी – जिससे वह भ्रष्टाचार उन्मूलन की जगह बढ़ाने का सबब बन रहे हैं।

B- समाज पर मीडिया का प्रभाव

- → राजनैतिक अभिवृत्ति परिवर्तित करने में;
  - • US चुनाव में कैम्ब्रिज एनालिटिका
- → समाज को उत्तेजित करना
  - • मॉब लिंचिंग
- → सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना
  - → आपसी द्वेष एवं दुर्भावना बढ़ाना
- → समूह विशेष के प्रति घृणा फैलाना जैसे – शाहीन बाग धरना, जमात मामला, किसान आंदोलन के प्रति पाकिस्तानी, खालिस्तानी, टूलकिट मामला।
- → जन आंदोलनों के प्रति सरकार की मंशा
- → समाज में उपभोक्तावाद, अति भोग्य आदि को बढ़ाना
  - जैसे - पा० पश्चिमी संस्कृति का प्रचार करके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) मीडिया में नैतिकता सुदृढ़करण के उपाय

→ डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड, 2021 का अनुपालन हो,

→ मीडिया एथिक्स का निर्माण,

→ मीडिया आचरण संहिता बने — मीडिया ट्रायल, झूठा प्रचार (फेक न्यूज), साम्प्रदायिक वहस आदि की रोक,

→ नियामक संस्थानों को मजबूत बनाया जाये,

→ जन जागरूकता — अनैतिक चैनलों को रिपोर्ट करने की सुविधा एवं कार्यवाई हो।

मीडिया लोकतंत्र के मजबूत होने में महत्वपूर्ण सहायक उपकरण है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the Dean of Academics of a University. It has been brought to your notice that some students have raised a complaint against Mr X, a specially-abled Professor at the University, for not performing his academic duties diligently. The Head of the Department (HoD) tried to have a conversation with him regarding these complaints; however, Mr X feels that he is a victim of internal politics and is being discriminated against on account of him being specially-abled. He also conveyed to the HoD that he will file a complaint of discrimination against the University under The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016. As the Dean of Academics, it is your responsibility to uphold the academic standards of the University and take any administrative decision in this regard.

In this case, answer the following questions:

(a) State the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) What are the options available to you?

(c) Evaluate each of these options and state the option which you would choose, citing reasons. **(20)**

आप एक विश्वविद्यालय के अकादमिक डीन हैं। यह आपके संज्ञान में लाया गया है कि कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के एक दिव्यांग प्रोफेसर मिस्टर X के विरुद्ध अपने शैक्षणिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करने के लिए शिकायत की है। विभागाध्यक्ष (HoD) ने इन शिकायतों के संबंध में उनसे बात करने का प्रयास किया है; हालांकि, मिस्टर X को लगता है कि वह विश्वविद्यालय की आंतरिक राजनीति के शिकार हैं और उनके दिव्यांग होने के कारण उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विभागाध्यक्ष को यह बताया भी है कि वह *दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016* के तहत विश्वविद्यालय के भेदभाव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराएंगे। अकादमिक डीन के रूप में आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों को बनाए रखें और इस संदर्भ में आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करें।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) उनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए उस विकल्प को बताइए जिसे आप चुनेंगे।

भारत में NSO के मुताबिक
2.2 दिव्यांग है। उनके साथ
अनुकूल व्यवहार की अपेक्षा अनु - 14 अनु-4।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

करता है।

(F) प्रकरण में हितधारक एवं मुद्दे -

i). डीन के रूप में मैं -

- विद्यालय अनुशासन को बनाए बिना
- पठन - पाठन का बेहतर माहौल हो,
- छात्रों के हितों के लिए अनुकूलतम कदम उठाए जायें,
- 'दिव्यांग' प्रोफेसर के साथ अन्याय न होने पाए।

(ii). आचरण से प्रभावित छात्र-

- वह विद्यालय के प्रमुख लाभप्राप्तकर्ता है।
- उनके साथ उचित शैक्षिक व्यवहार एवं माहौल की अपेक्षा को पूर्ति विश्वविद्यालय प्रशासन का कर्तव्य है।
- अनुचित प्रणाली पर कार्यवाही उनकी अपेक्षा है।

iii) दिव्यांग प्रोफेसर -

- उनकी मंशा का निराकरण होना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

B. उपलब्ध विकल्प एवं मूल्यांकन

i). छात्रों के अनुरूप कार्यवाही करना एवं प्रोफेसर पर प्रशासनिक कार्यवाही करना

गुण	दोष
→ छात्र अनुकूल वातावरण	→ एक तरफा कार्यवाही उचित नहीं
→ अन्य प्रोफेसर ईमानदारी पूर्वक कार्य करेंगे,	→ दिव्यांग के प्रति संवेदनशील व्यवहार होना चाहिए
→ शिकायत के प्रति अनुकूलता बेहतर होगी।	→ वह PWD Act, 2016 के तहत मामले को बढ़ाने की बात कर रहे हैं। ⇓ पठन-पाठन माहौल प्रभावित

ii). कोई कार्यवाही न करना

गुण	दोष
→ यथास्थिति बरकरार	→ छात्रों की नाराजगी
→ प्रोफेसर के हित में	→ शिकायत निवारण हमारा कर्तव्य
	→ छात्र आंदोलन कर सकते
	→ प्रोफेसर इस कठिनाई से

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समझौता कर सकते हैं।

iii). समझानुसार मामला शांत करना -

गुण	दोष
→ सहमति बेहतर परिणाम देती है।	→ समझौतावादी, सत्यनिष्ठा का विकल्प नहीं
→ दोनों में तनाव से बचा जा सकता है।	→ छात्रों के प्रति प्रोफे० का नकारात्मक पूर्वाग्रह ⇓ नम्बर आदि में नाराजगी जाहिर होने की संभावना

(iv) उपयुक्त विकल्प - शिकायत जाँच हेतु कमेटी बनाना एवं उसके अनुरूप कार्यवाही - प्रोफेसरों को शामिल करते हुए आंतरिक कमेटी गठन
⇓
क्योंकि मुद्दा ईमानदारी से जुड़ा है अतः सख्त जाँच
⇓
यदि मामला सही पाया जाता है तो प्रमाण सहित प्रो० को दिखाना एवं उनकी सफाई

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मॉगना
"मामले की गंभीरता देखते हुए कार्यवाही का निर्धारण किया जा सकता है।

कारण-
→ सत्यनिष्ठा, अपक्षपाती एवं अत-सम्मोहनवादी मूल्य है।
→ तथ्यों के अनुरूप कार्यवाही मेरा दायित्व है।

'निष्काम कर्म के साथ
श्रमिक मालिक की बेहतरी हेतु अधिकाधिक नैतिक, विधिक प्रशासनिक प्रयास करूंगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have recently been posted as the District Magistrate of a poor district in India where there is a high prevalence of manual scavenging. It has been brought to your notice that manual scavenging has claimed many lives in your district. Upon further enquiry, you found that most of the manual scavengers belong to a particular caste, and majority of them can find employment only by way of scavenging. Even some government departments in your district are employing these people for physical cleaning of sewers/septic tanks without basic safety gear and measures. Despite the rehabilitation programmes for manual scavengers, the administration has been found inefficient in identifying such people in the first place and the efforts to reskill them for employment elsewhere have not yielded desired results.

Based on the given information, answer the following:

(a) Identify the issues associated with manual scavenging.

(b) List the options available to you in the given case. Evaluate the merits and demerits of each.

(c) Discuss some feasible steps that you can take to address this serious problem. **(20)**

आपको हाल ही में भारत के एक गरीब जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है जहां हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) का प्रचलन बहुत अधिक है। आपके संज्ञान में लाया गया है कि आपके जिले में मैला ढोने की प्रथा ने कई लोगों की जान ले ली है। आगे जांच करने पर, आपने पाया कि हाथ से मैला उठाने वाले अधिकांश लोग एक विशेष जाति के ही हैं और उनमें से अधिकांश केवल मैला ढोकर ही रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। आपके जिले के कुछ सरकारी विभाग भी बिना बुनियादी सुरक्षा उपकरणों और उपायों के सीवरों/सेप्टिक टैंकों की भौतिक सफाई के लिए इन लोगों को नियुक्त कर रहे हैं। हाथ से मैला उठाने वालों के लिए पुनर्वास कार्यक्रमों के बावजूद, सर्वप्रथम प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान करने में अक्षम रहा है और अन्यत्र रोजगार के लिए उन्हें फिर से कौशल प्रदान करने के प्रयासों के वांछित परिणाम भी नहीं मिले हैं।

ऊपर दी गयी जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) से जुड़े मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए। प्रत्येक के गुणों और दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए आप जो संभव कदम उठा सकते हैं, उन पर चर्चा कीजिए।

हाथ से मैला उठाने की प्रथा निषेध अधिनियम, मैनुअल ~~स्कैवेंजिंग~~ पर रोक लगाता है एवं उनके पुनर्वास, प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अनुसार विगत 20 वर्षों में 1000 से अधिक कर्मियों की मृत्यु हुई (सीवर की सफाई से).

A हाथ से मैला ढोने से जुड़े मुद्दे

मानवीय गरिमा का उल्लंघन-

→ अनु. 21 गरिमापूर्ण जीवन का मूल अधिकार बताता है।

इससे जुड़ा जातिगत जुड़ाव-

यह कार्य अधिकांश निम्न आय वाले निर्धन एवं निम्न जाति दलित, ST, घुमंतू, बेसहारा लोग करते हैं।

• यह वर्णव्यवस्था का एक वाहक बना हुआ है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महिलाओं, बच्चों की निम्न जीवन स्थिति एवं स्वीहन के शिकार - यह मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

→ पुनर्वास न होने से इसे करने को अभिशप्त,

→ आर्थिक सशक्तिकरण के अभाव में अन्यत्र रोजगार के उपयुक्त नहीं।

→ वर्तमान प्रौ० युग में यह घृणित कार्य जारी,

→ तीव्र टैंको से होने वाली मौतें चिंताजनक,

→ न्यूनतम वेतन से वंचित, सामाजिक सुरक्षा एवं सहायक उपकरणों से वंचित - श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल नहीं (अनु-21 का उल्लंघन)

b. उपलब्ध विकल्प

1. यथास्थिति रहने देना

गुण	दोष
→ ~~नौकरशाही~~ कार्य को जारी रहने देना	→ शोषण जारी रहना
→ अनावश्यक विभागीय गतिरोध की अनुपस्थिति	→ विधि अनुपालन नहीं' ‖ हमारे दायित्व के प्रतिकूल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. उन्हें मैला ढोने से प्रतिबंधित करना एवं संबंधित पर कार्यवाही

गुण	दोष
→ घृणित कार्य से मुक्ति → उन्हें राहत की आशा → मानवीय गरिमा का महत्व	→ बेरोजगारी का बढ़ना क्योंकि गरीब जिला एवं उन्हें अधिकांश वही रोजगार उपलब्ध है। → कठोर कदम व्यक्तिगत बदलाव नहीं लाते हैं। जैसे — नसबंदी कार्य की विफलता

③ रिपोर्ट एकत्रित करना एवं मनुरूप कार्यवाही

गुण	कारण
→ वास्तविक स्थिति का अनुमान → उनका जनतांत्रिक स्थिति से योजनाओं का बेहतर अर्थ → सम्बन्धितों पर कार्यवाही → सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना।	→ विधि के अनुरूप → सभी के हित में → अधिक तार्किक एवं युक्तिसंगत विकल्प

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

C. संभव कदम

① जिले में विकास को बढ़ावा -
- स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा
- महिलाओं एवं लोगों का वित्तीय समावेशन
→ सामाजिक, आर्थिक योजनाओं का क्रियान्वयन

② ग्रामीण स्तर पर अभिवृत्तिक बदलाव -
- अभियान चलाना
- जनता के बीच भेदभाव मिटाने की कोशिश
→ गाँधी जी के दर्शन को समझाना

③ विधिक अनुपालन -
- उनके पुनर्वास, पुनर्कौशल हेतु फंड का अधिक प्रयोग ⇒ सोशल ऑडिट
- सुरक्षा प्रमाण प्रदान करना
- सरकारी मुआवजा देना (मृत्यु पर)
- डेटा संकलन,

प्रभावी प्रयास एवं सामाजिक जवाबदेही से इस प्रथा का पूर्णतः उन्मूलन संभव है। सीवरों की सफाई में रोबोट का उपयोग किया जाना चाहिए।